THE DR. LEO BARNES FOUNDATION

Office: 101, Samudra Seema, 329 Dr. Ambedkar Rd.,
Bandra (W), Mumbai - 400 050. Maharashtra, India.
Tel.: 022 - 2605 4658 / 2648 7460
E-mail: leobarnesfoundation1993@gmail.com
Website: www.leobarnesfoundation.org

शुरुआत कुछ ऐसे हुई.....

एक दूरदृष्टि

लक्ष्य बस एक ही था, कि किसी भी नाविक का बच्चा क़ुदरत की सबसे अनमोल विरासत-ज्ञान से वंचित न हो पाए. कम-से-कम पैसे के आभाव में तो कतई नही. और इसलिए, डॉ. लीयो बार्न्स फाउंडेशन (एल.बी.एफ) उस हर सपने को साकार करने में सहयोग प्रदान करता है जिसका संबध उच्च शिक्षा से हो. इस गतिविधि के पीछे एक जिद्द, एक संकल्प, एक इरादा और सबसे बढ़कर कुछ कर गुजरने व सफल होने की मूल भावना है. आमतौर पर व्यवसायिक कामकाज के क्षेत्र में नाविक समुदाय को कम पढ़े-लिखे लोगों के रूप में देखा गया है. और इसी धारण को बदलने के लिए एल.बी.एफ. ने पहल की है ताकि नाविकों को समाज में उच्च शिक्षा से परिपूर्ण एक सम्माननीय और महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त हो सके. यही सपना देखा था डॉ. लीयो बार्न्स ने और जिसे साकार करने के लिए मारिटाइम (समुद्रीय) अध्ययन में उच्च शिक्षा और रिसर्च के लिए प्रदान की जाती है एल.बी.एफ. अवॉर्ड्स स्कॉलरशिप. जिसके अंतर्गत अपने देश और विदेश. दोनो जगहों की विभिन्न डिग्री और डिप्लोमा का समावेश होता है.

नाविक समुदाय के सुधार को और गति देने कि लिए एल.बी.एफ., समुदाय और उनके बच्चों के कल्याण के लिए अनेक गतिविधियों को भी संचालित करते है.

इनकी प्रतिबद्धता यहीं पर खत्म नही होती. यह बढ़कर पूरे समाज से जुड़ जाती है, और इस प्रकार एल.बी.एफ. सामाजिक क्रिया-कलापों में भी अपनी अहम् भूमिका निभाता हैं.

वाकई यह बड़े गर्व की बात है, जिसकी बुनियाद रखी गई थी १९९३ में, १.५ करोड़ से भी ज्यादा रुपये प्रदान किए गए थे नाविकों के स्कॉरिशिप और उनकी कल्याण योजनाओं के लिए.

बात यहीं पर खत्म नहीं होती है, उनका यह सपना अपनी प्रतिबद्धता और संसाधनों के रूप में हर वर्ष बड़ा रूप लेता जाता है.

दूरदर्शी नज़र

इस संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में केवल एक ही व्यक्ति ने दूर सोचते हुए क़दम बढ़ाया और उनका नाम था डॉ. लीयो बार्न्स, संथापक चेयरमैन. उनका बचपन अभावों और तकलीफों में बीता परंतु नुसा (NUSI) की ऊंचाइयों को छूने की जद्दोजहद के दौरान उन्होंने सबसे बहुमूल्य संपति: **शिक्षा** रुपी धन को जमा किया. वह भी किसी सहयोग, सिफारिस या आर्थिक मदद के बगैर.

उन्होने अपनी मंजिल खुद तय की और उसे पाने के लिए अपने बलबूते ही संघर्ष किया. आर्थिक परेशानियों के चलते उन्हें स्कूल छोड़कर जहाज पर काम करना शुरू कर दिया. यहां उनके शैक्षणिक पढ़ाई पर पूर्ण विराम लग सकता था वे परंतु एक नाविक की आम जिंदगी से हटकर कुछ और करना चाहते थें, औरों से हटकर. पर इसके लिए वे फिर से उन किताबों की ओर लौटकर अपने कैरियर को कहीं और न मोड़ते हुए अंततः उन्होने बाए, एलएलएम और मारिटाइम लॉ में पीएचडी किया. और सबसे अंत में उन्होने हावर्ड युनिवर्सिटी से ट्रेड यूनियन स्टडीज में डिप्लोमा हासिल किया. जो लोग उन्हें करीब से जानते हैं उन्हें अच्छी तरह याद होगा कि वे हमेशा अपनी उंगलियों में हावर्ड की अंगूठी पहना करते थे. वह अंगूठी हमेशा उन्हें शक्ति देती थी कि अभी और भी मंजिलें हासिल करनी है... चाहे राहें कितनी भी मुकिल हों. एक ऐसा व्यक्तित्व जिसे पता था कि क्या सही है और उसे पाने के लिए क्या करना चाहिए. यही कारण है कि डॉ. लीयो बार्न्स फाउंडेशन की शुरुआत हुई, उन रु. २२,२२,२२२ से जो उनके चाहने वाले, मानने वाले लोगों ने उनकी साठवीं वर्षगांठ पर दी थी. ताकि किसी भी नाविक के बच्चे को ाान के मंदिर से खाली हाथ न लौटना पड़े या जैसी मुसीबतों का सामना उन्होंने किया था वैसी ही कठिन परिस्थितयों का सामना किसी और को न करना पड़े. यही उनका सपना था और जिसे हक़ीक़त में बदला है एल.बी.एफ. ने.

एलबीएफ की गतिविधियां

स्कॉलरशिप

कौन है इसके योग्यः

१) आवेदनकर्ता, सीडीसी धारक की संतान या उससे नजदीकी खून का रिश्ता या उस पर पूर्णतः तरह आश्रित रहने वाला या सीडीसी स्वयं हो सकता है. सीडीसी के मरणोपरांत भी यह लागू होगा.

२) आवेदनकर्ता, एलबीएफ को सीधे अनुदान करने वाले सीडीसी धारक की संतान, नजदीकी खून का रिश्ता या उस पर पूर्णतः आश्रित रहने वाला होना चाहिए.

३) आवेदन कर्ता को एचएससी या उसके समतुल्य परिक्षा में उत्तीर्ण होना चाहिए और शिक्षा के किसी भी क्षेत्र में ग्रेज्युएशन/पोस्ट ग्रेज्युएशन कोर्स के लिए आवेदन किया होना चाहिए था भारत सरकार या राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त किसी धि में डिप्लोमा कोर्स किया होना चाहिए.

४) आवेदनकर्ता ने किसी टेक्निकल या प्रोफेशनल कोर्स के लिए आवेदन किया होना चाहिए, जो भारतीय यूनिवार्सिटीयों के तहत सभी टेक्निकल डिपार्टमेंट या एआईसीटीई/एनसीटीई/एमसीआई/एनएएसी/आरसीआई और अन्य को मान्सता मिली होनी चाहिए.

५) अन्य देशों की यूनिवर्सिटियों के कोर्स के लिए आवेदन करने वाले आवेदनकर्ता भी योग्य है.

आवेदन करने का तरीका

इस स्कॉलरशिप के लिए योग्य विद्यार्थी एल.बी.एफ. ऑफिस से मुफ्त प्राप्त होने वाले आवेदन फार्म के अनुसार नीचे बताए गए एल.बी.एफ. ऑफिस के पते पर आवेदन करें:

१०१, समुद्र सीमा,
३२९, डॉ. आंबेडकर रोड,
बांद्रा (प.), मुंबई - ४०० ०५०.
महाराष्ट्र, भारत.
फोन: २६०५ ४६५८ / २६४८ ७४६०

आवेदन के साथ नीचे बताए गए दस्तावेज जोड़ें:

१. आधार कार्ड की प्रति.

२. सीडीसी की प्रति.

३. ग्रेज्युएशन कोर्स के लिए एसएससी और एचएससी (या उनके समतुल्य) मार्क शीट की प्रति.

४. कॉलेज/संस्थान के प्रिंसिपल द्वारा जारी पत्र जिसमें आवेदनकर्ता द्वारा किसी प्रकार के अन्य स्कॉलरशिप/छूट (आरक्षित वर्ग के अंतर्गत) सरकार/अन्य एनजीओ/संस्थान द्वारा अनुदान मिलने या न मिलने का उल्लेख किया गया हो.

५. ट्यूशन फीस और परीक्षा फीस की वास्तविक रसीद **(रु.५०० की रसीद पर टिकट लगा होना चाहिए).**

६. छात्र का बैंक खाता का विवरण / पासबुक की प्रति.

७. छात्र का मोबाइल/टेलीफोन/ ई-मेल का विवरण.

आवेदन संबंधित शैक्षणिक वर्ष के लिए ३१ दिसंबर को या उससे पहले एलबीएफ कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए।

स्कॉलरशिप संबंधी विवरण

प्रदान की जानेवाली स्कॉलरशिप की रकम प्रति साल आवेदन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या साथ ही हर वित्तीय वर्ष के दौरान उपलब्ध फंड के आधार पर कम-ज्यादा हो सकती है.

विदेशी यूनिवर्सिटियों में आवेदन करने वाले, विदेशी यूनिवर्सिटी से स्वीकृति पत्र के साथ हवाई टिकट के जमा करने पर, ३५,०००/- तक का एयरफेयर (किराया) एक तरफ का पाने के अधिकारी होंगे.

आगामी साल के लिए स्कॉलरशिप पिछले साल के शैक्षणिक वर्ष के उत्तीर्ण प्रमाणपत्र के जाम कराने पर ही प्रदान की जायेगी.

रिसर्च अनुदान

रिसर्च का प्रकार :

रिसर्च के विषय को नाविकों, भारतीय नाविकों को प्रधानता, से संबंधित अध्ययन के अंतर्गत होना चाहिए, जो सोशियोलॉजिकल, इकोनॉमिक, मेडिकल, सायकोलॉजिकल, लीगल या ऐसे ही अन्य विधाओं में की जा सकती है.

अनुदान संबंधी विवरण :

अनुदान, प्रॉजेक्ट आधारित या रिसर्च के एक साल से ज्यादा बढ़ जाने पर प्रति साल आधारित होगी.

फाउंडेशन के ऑफिस से प्राप्त आवेदन फॉर्म के अनुसार आवेदन तैयार करें और उसकी दूसरी (डूब्लीकेट) प्रति जमा करे. जिसकी जांच एक प्रोफेशनल कमेटी करेगी और जरूरत पड़ी तो इंटरव्यू भी लिया जा सकता है. रिसर्च की विशेषता और योग्यता के आधार पर रिसर्च के लिए अनुदान की सीमा तय की जाएगी.

ट्रस्ट के सभापति का निर्णय अंतिम होगा और जिसकी जांच या समीक्षा नहीं की जायेगी.

नाविक कल्याण

नाविक मनोविकास केन्द्र (एनएमके) एक कल्याण संस्था है, जो नाविक और उनके परिवारों को सलाह और मार्गदर्शन प्रदान करती है. इसका उद्देश्य है:

क) नाविक समुदाय और उनके परिवार के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और व्यावसायिक समस्याओं का अध्ययन करना.

ख) बच्चों का मार्गदर्शन करना, खासतौर से व्यावसायिक क्षेत्र से संबंधित विषयों पर.

सलाह की संभावनाएं :

एनएमके के पास जाकर नीचे बताए अनुसार विभिन्न प्रकार की समस्याओं और प्रोग्राम्स के लिए सलाह ली जा सकती है :

१) बच्चों के लिए व्यावसायिक मार्गदर्शन और सलाह.
२) बुमित्ता, व्यक्तित्व, रुचि और रुझान का आंकलन.
३) नाविकों से संबंधित पेशे के लिए व्यक्तियों का चुनाव, इंटरव्यू और जांच.
४) सेक्स, वैवाहिक और व्यक्तिगत संबंधों पर सलाह.
५) काम-काज संबंधी अथवा व्यक्तिगत समस्याओं के लिए स्ट्रेस मैनेजमेंट.
६) परिवार कल्याण कार्यक्रम.
७) निराशा, नशे की लत इत्यादि के लिए सायकोथेरेपी.

स्टाफ विवरण:

भारत के विभिन्न हिस्सों में शिविरों में अनुभवी मनोवैज्ञानिक, परामर्शदाताओं और कर्मियों द्वारा परामर्श आयोजित किया जाएगा। यह मुंबई (०२२-२६०५ ४६५८), गोवा (०८३२-२७८११६७) और मैंगलोर (०८२४-२९८४६५८) में एलबीएफ कार्यालयों के तीन स्थानों पर संचालित होता है। अधिक जानकारी एलबीएफ कार्यालय में प्राप्त की जा सकती है या आप **www.leobarnesfoundation.org** पर वेबसाइट देख सकते हैं

Counselling Services and Academic Advising

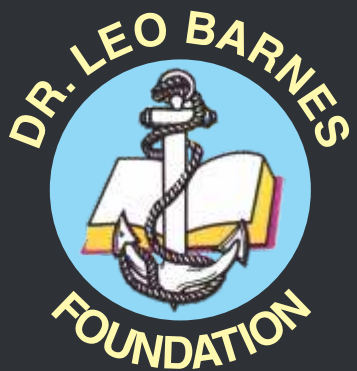

101, Samudra Seema, 329, Dr. Ambedkar Road,
Bandra (W), Mumbai - 400 050, Maharashtra, India.
Tel.: 022 - 2605 4658 / 2648 7460
E-mail: leobarnesfoundation1993@gmail.com
Website: www.leobarnesfoundation.org